फुकबाण्ड और राम नाम सत है

● लेखक : बिमल चटर्जी. ● चित्रांकन : त्रिशूल कॉमिक्स आर्ट.

एक बार फुकबाण्ड और मोटू ने एक नाटक में भाग लिया, लेकिन उनकी बदकिस्मती से वहां एक खून हो गया।

अरे बाप रे! इसका तो किसी ने खून कर दिया है।

खून... खून... खून...!

खून के उस हंगामे में फुकबाण्ड और मोटू पकड़े गये।

अब क्या होगा बाण्ड भइया?

वही होगा, जो मंजूरे खुदा होगा।

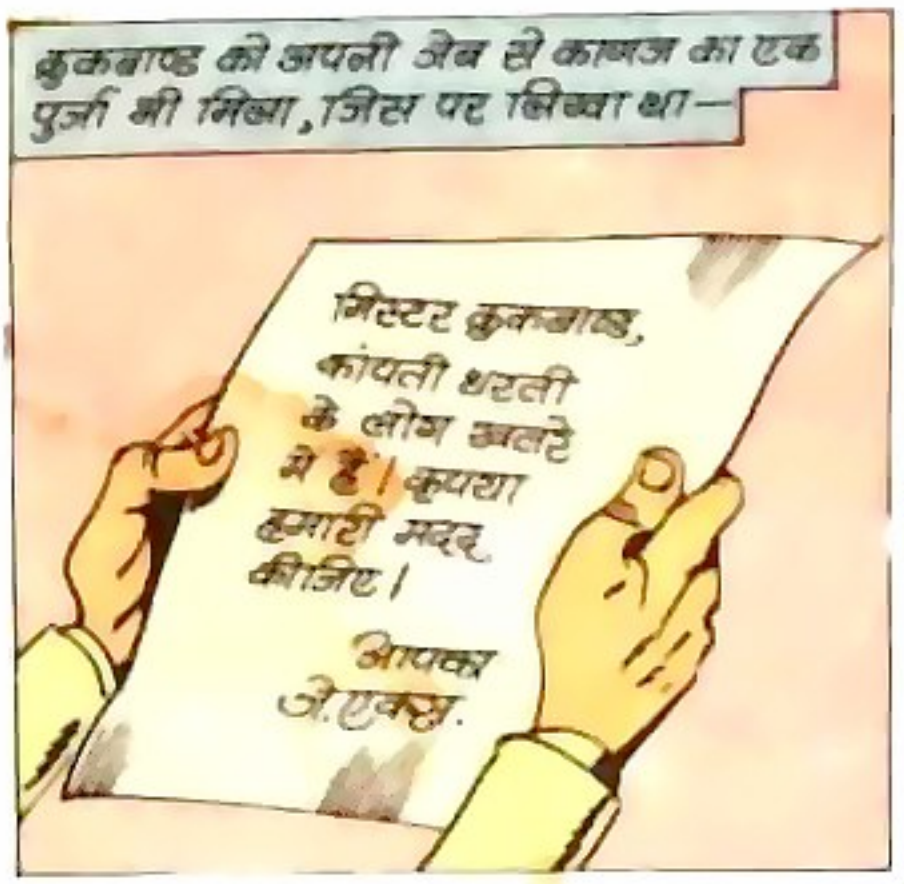
फुकबाण्ड के पिता धमाकासिंह ने उन्हें हवालात से छुड़ाया। घर पहुंचकर उनके हाथ एक महत्वपूर्ण सूत्र लगा।

खन्... खन्... खन्...!

यह महत्वपूर्ण सूत्र था एक सोने का सिक्का।

यह सिक्का मेरी जेब में कहां से आया?

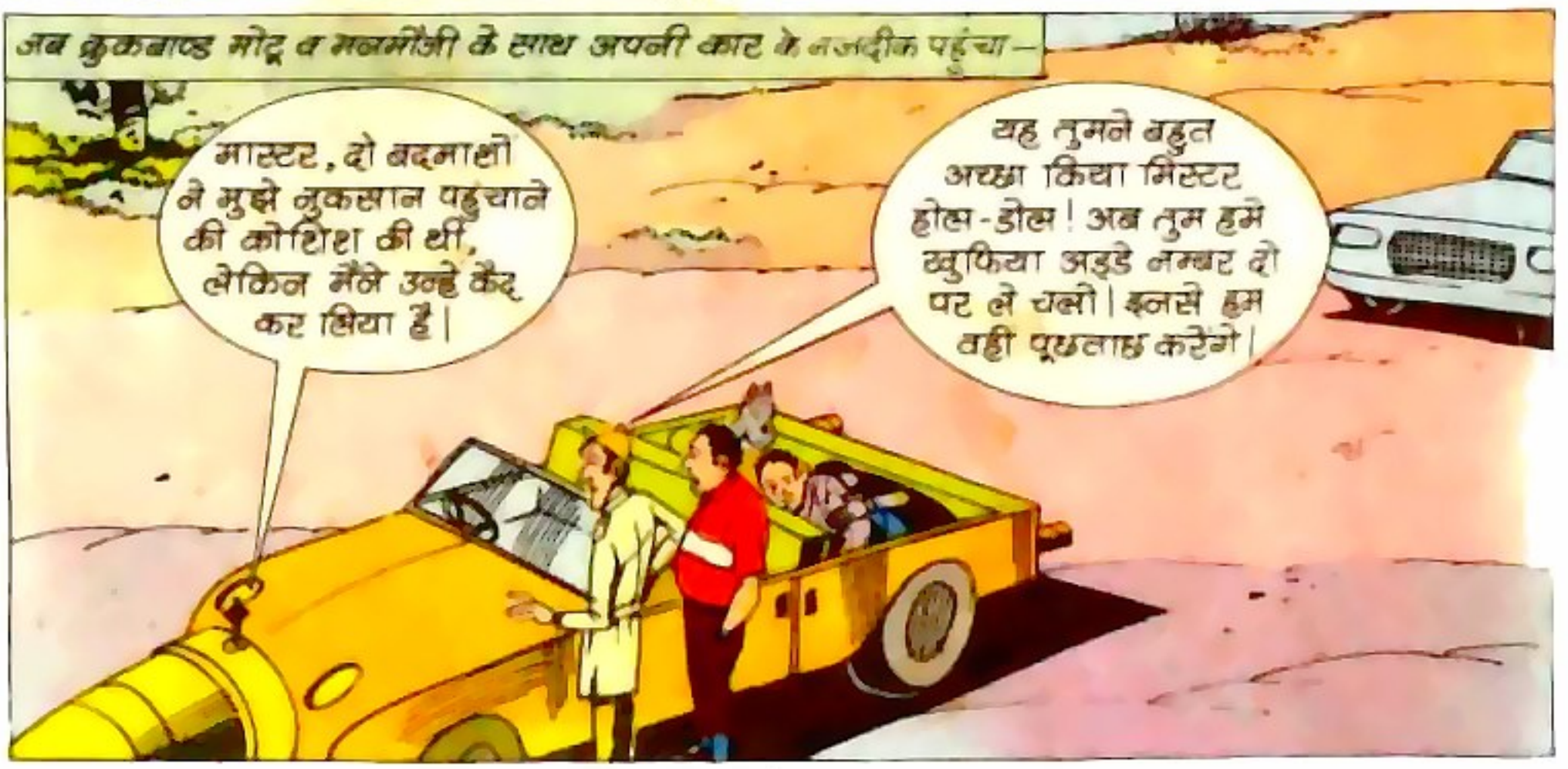
EDITED BY VAASU O11#15











EDITED BY VAASU O11#15

परन्तु अपने खुफिया अड्डे पर आते समय मार्ग में उन पर दो विभिन्न प्रकार से आक्रमण हुए...

तड़... तड़... तड़!

परन्तु सुपर कार ने दुश्मनों के उन आक्रमणों को न केवल विफल कर दिया,बल्कि आक्रमणकारियों को नष्ट भी कर दिया।

धड़ाम!

भड़ाक!

फिर जब कुकबाण्ड ने अपने अड्डे पर पहुंचकर दोनों बदमाशों से पूछताछ करने की कोशिश की तो उनके भी परखच्चे उड़ गये और कुकबाण्ड व गोद के अपराधी तक पहुंचने के सारे मार्ग बन्द हो गये।

धड़ाम!

भड़ाम!

आई... ई... ई!

आह!

प्यारे दोस्तो, यहां तक की कहानी आप मनोज चित्रकथा के पिछले दो अंकों "कुकबाण्ड और कांपती धरती के लोग" व "कुकबाण्ड और सोने का सिक्का" में पढ़े चुके हैं। अब आगे पढ़ें।

EDITED BY VAASU O11#15

कुछ देर तक तो कुकबाण्ड और मोटू गुमसुम से खड़े फटी-फटी आंखों से जमीन पर पड़ी दोनों लाशों को देखते रहे, फिर मोटू भर्राये स्वर में बोला—

बाण्ड भइया, ये तो यमराज जी को प्यारे हो गये। अब तुम्हारा क्या प्रोग्राम है?

पहले इन दोनों लाशों को ठिकाने लगाते हैं, उसके बाद आगे का प्रोग्राम सोचेंगे।

दोनों ने मिलकर जल्दी ही उन लाशों को निकटवर्ती खाई में फेंक दिया।

तत्पश्चात् वे पुनः कुटिया में आ गये।

हां, अब बताओ, क्या प्रोब्लम है?

ठहरो, पहले अपने इन भूत-पिशाचों को वापस इनके यथास्थान भेज दूं, फिर बताऊंगा।

दरअसल वे नरकंकाल व खोपड़ियां कोई सचमुच के भूत-प्रेत नहीं थे, बल्कि कुकबाण्ड के ईजाद किये रोबोट थे, जिन्हें ताली बजाकर कन्ट्रोल किया जा सकता था।

EDITED BY VAASU O11#15

अतः कुकबाण्ड के ताली बजाते ही वे सब भयानक ठहाका लगाते हुए जहां से आये थे, वहीं वापस लौट गये।

थप-थप!

हा-हा-हा!

ही-ही-ही !

उसके बाद –

यार मोटू, क्या तुमने अपनी अक्ल पर जोर देकर इस विषय पर सोचा है कि मृतक नाटक के दौरान ही हमसे मिलने क्यों पहुंचा था?

ही-ही-ही! बाण्ड भइया, यदि मुझमें इतनी ही अक्ल होती तो तुम मेरे चेले होते और मैं तुम्हारा गुरु।

???

पुच!

वाह! यह की तुमने जिन्दगी में पहली बार अक्ल की बात।

अब सुन मेरी अक्ल की बात। वह व्यक्ति जरूर हमारे घर गया होगा और जब उसे पता चला होगा कि हम नाटक में भाग लेने गये हैं तो वह वहां पहुंच गया होगा?

हुंह! यह तो बड़ी साधारण-सी बात है। भला इसमें अक्ल लड़ाने की क्या बात है...

EDITED BY VAASU 011#15

...बाण्ड भइया, यदि तुम सचमुच महान् जासूस हो तो अक्ल लड़ाकर इस रहस्य को सुलझाओ कि उस मृतक ने कागज के पुर्जे के साथ-साथ सोने का सिक्का तुम्हारी जेब में क्यों डाला ?

यार, अब इतनी ही अक्ल मुझमें होती तो मैं जेम्स बाण्ड का गुरु न बन गया होता। खैर, ठहर...

...मैं इस सिक्के का एक बार फिर से निरीक्षण कर लूं।

सिक्के का निरीक्षण करते-करते यकायक कुकबाण्ड चौंक कर उछल पड़।

वो मारा!

क्यों, क्या हुआ ? यह तुम मेंढक की तरह फुदके क्यों ?

अबे बकवास बन्द कर और जल्दी से आतशी शीशा निकाल।

ओह!

EDITED BY VAASU O11#15

अब समझा कि इस सोने के सिक्के में क्या रहस्य छिपा हुआ है?

क्या रहस्य छिपा है बाण्ड भइया? कुछ मुझे भी तो बताओ।

यह देखो, इसमें छोटे-छोटे कितने छिद्र हैं!

ओह! हा!

लेकिन सिक्के पर ये छिद्र क्या मायने रखते हैं?

जरूर यह नये तरीके का कोई टेप है। ठहरो, मैं अभी इसका परीक्षण करता हूं।

EDITED BY VAASU O11#15

अगले ही पल—

मिस्टर होल-डोल, मैं इस सिक्के रूपी टेप का रहस्य जानना चाहता हूं।

तो फिर देरी क्या है मास्टर ! बटन दबाकर मेरा मुंह खोलिये और यह सिक्का मेरे मुंह में रख दीजिए।

क्रुकबाण्ड ने होल-डोल के सिर पर लगा एक बटन दबाया। तुरन्त होल-डोल का मुंह खुल गया। बाण्ड ने वह सिक्का उसके मुंह में उछाल दिया...

खट!

... पुनः वही बटन दबाकर उसका मुंह बन्द कर दिया।

शीघ्र ही होल-डोल के मुंह से एक अपरिचित आवाज निकलने लगी।

नमस्कार मिस्टर क्रुकबाण्ड,

मुझे विश्वास है कि इस समय आप तक मेरी आवाज पहुंच रही होगी। मैं आपके लिए अजनबी हूं, लेकिन आप मेरे लिये अजनबी नहीं, इसीलिये मैं आपसे अपने तथा अपने देशवासियों के लिये मदद मांगने की हिम्मत कर रहा हूं...

EDITED BY VAASU O11#15

... मेरा नाम प्रोफेसर जे. एक्स है और मैं कांपती धरती का किंग हूं। वैसे तो वर्षों से हमारे देश में सुख-शान्ति और खुशहाली थी, लेकिन गत एक-डेढ़ वर्ष से कुछ गोरे लोगों ने हमारी सुख-शान्ति व अमन-चैन सबकुछ छीन लिया है...

... उन्होंने न केवल हमारे देशवासियों पर अमानुषिक जुल्म ढाया है, बल्कि उन्हें पकड़-पकड़कर "पीली धातु" की खानों पर भी काम कराने लगे हैं, जिसे आपके देश में सोना कहा जाता है। वैसे तो हमारा देश विज्ञान के मामले में आपके देश व अन्य दुनिया से बहुत आगे है, लेकिन शारीरिक क्षमता में हम लोग छोटे कद व कमजोर शरीर के कारण बहुत ही कमजोर हैं...

... यही कारण है कि हम उन गोरे लोगों से मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं और धीरे-धीरे उनके दास बनते जा रहे हैं। हो सकता है, इस संदेश के पहुंचने तक मैं भी उन गोरे लोगों की कैद में पहुंच चुका हूं और मेरा देश उनका गुलाम हो चुका हो...

EDITED BY VAASU O11#15

...मिस्टर ब्रुकबाण्ड, मैं इस टेप में ज्यादा बातें नहीं भर सकता। बस इतना समझ लीजिए कि उन मोटे लोगों के कारण कापर्ती धरती के लोगों का जीवन खतरे में है और उन्हें आपकी मदद की सख्त आवश्यकता है...

...आप अल्द-से-अल्द हमारे देश पहुंचने की कृपा करें...

...कापर्ती धरती तक पहुंचने का मार्ग इस सिक्के पर दर्शाया गया है। फिर भी मैं आपको समझाये देता हूं।

आवाज आती रही तथा गाण्ड व मोटू उस आवाज को ध्यान से सुनते रहे...

...और जब आवाज आनी बन्द हुई—

क्यों प्यारे मोटू, अब आया सोने के सिक्के का रहस्य तुम्हारी समझ में?

बिल्कुल आ गया। और इसी के साथ यह बात भी मेरी समझ में अच्छी तरह से आ गई कि उस व्यक्ति का खून क्यों किया गया था तथा बार-बार हमारी जान लेने की कोशिश क्यों की गई थी...

EDITED BY VAASU O11#15

...यानी गोरे लोगो के एजेण्ट यह नहीं चाहते थे कि प्रोफेसर जे एक्स का संदेश हम तक पहुचे और हम कांपती धरती तक पहुंचने का यत्न करें।

गुड ! जबकि अब हम कांपती धरती पर अवश्य जायेंगे।

लेकिन बाण्ड भइया, क्या गोरे लोगो के एजेण्ट या वे स्वयं हमें इतनी आसानी से कांपती धरती तक पहुचने देंगे।

अरे उनकी तो ऐसी की तैसी। तेरे और मनमौजी के रहते उनकी क्या बिसात जो हमारे सामने सर उठाने की भी हिम्मत कर सके।

फुकबाण्ड की बात सुनकर मोटू का सर गर्व से तन गया।

ही-ही-ही। यह बात तो है बाण्ड भइया।

मिस्टर होस-डोस, क्या तुमने कांपती धरती का मानचित्र अपने मस्तिष्क में अच्छी तरह से बिठा लिया है।

बिल्कुल मास्टर, अब वहां का मार्ग मेरे पटल पर पूरी तरह से अंकित हो चुका है।

EDITED BY VAASU O11#15

गुड ! तो तुम मोटू और मनमौजी को लेकर बाहर पहुचो, मैं द्वार बन्द करके आता हूं !

ओ.के. मास्टर !

फिर मोटू और मनमौजी के कार पर सवार होते ही कार उन्हे लेकर बाहर की ओर चल पड़ी !

कुकबाज ने अपने खुफिया अड्डे का द्वार बन्द किया और मोटू की बगल में आ बैठा !

चलो मिस्टर होल-डोल, अब अपनी मंजिल तय करो !

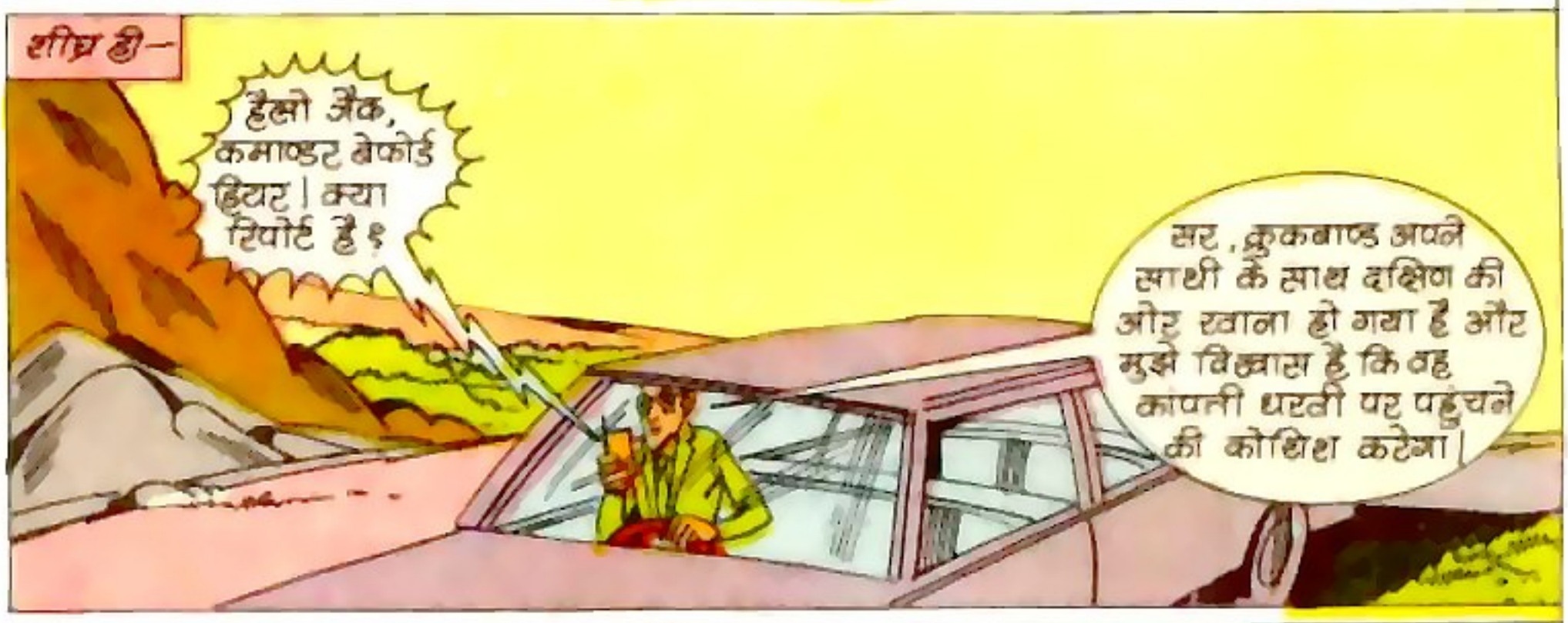
अभी लो मास्टर !

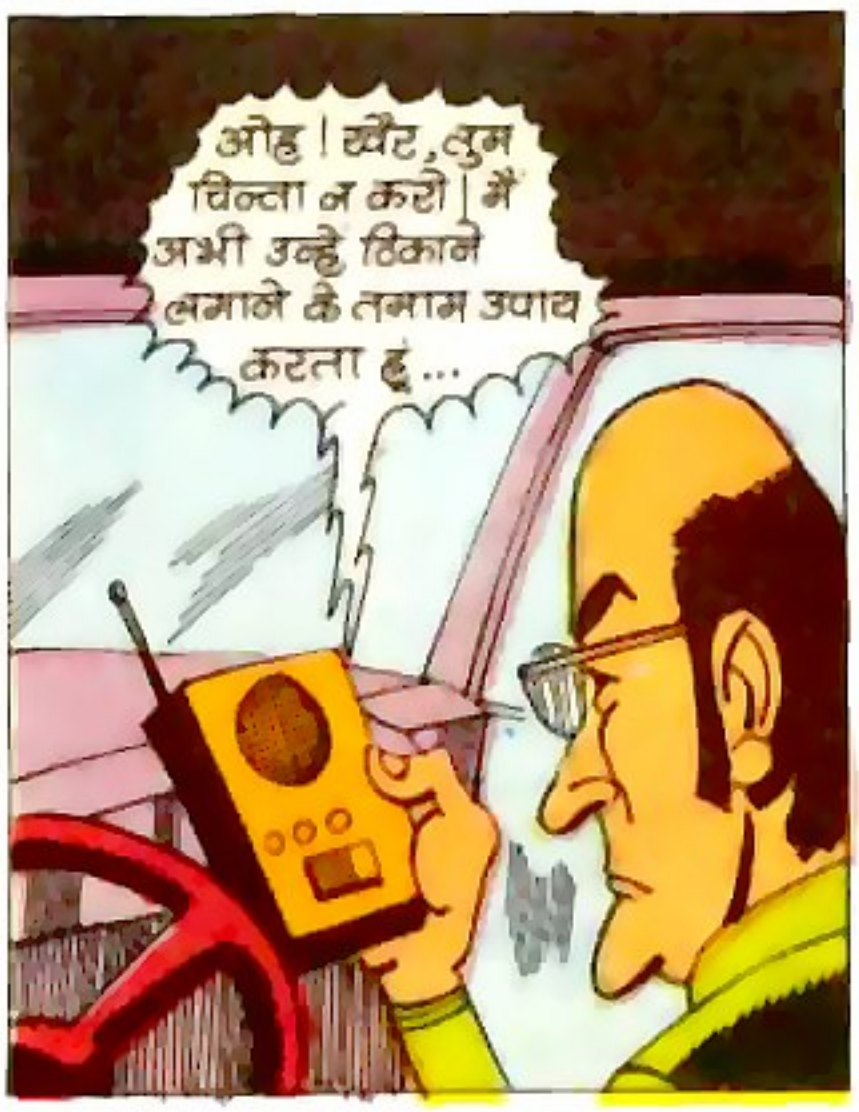
अगले ही पल सुपर कार उस पहाड़ी मार्ग से निकलकर एक अन्य मार्ग पर तीव्र गति के साथ दौड़ पड़ी ! लेकिन कुकबाज आदि इस बात से सर्वथा अनभिज्ञ थे कि एक अन्य कार का चालक उन पर काफी समय से नजरें रखे हुए है !

वे लोग शायद कांपती धरती की ओर ही जा रहे हैं ! मुझे तुरन्त कमाण्डर बेफोर्ड को सूचित करना चाहिए !

EDITED BY VAASU O11#15









EDITED BY VAASU O11#15

यह कमबख्त क्रुकबाण्ड काफी तेज और चालाक किस्म का छोकरा जान पड़ता है। खैर, हम उससे निपट लेंगे। तुम अपना काम देखो। ओ के! ओवर एण्ड आल!

ट्रांसमीटर बन्द करने के बाद—

मुझे फिलहाल क्रुकबाण्ड का पीछा करना चाहिए। मौका मिलेगा तो मैं ही उसे ठिकाने लगाने की कोशिश करूंगा।

अतः जैक ने भी अपनी कार उसी दिशा में दौड़ा दी, जिधर क्रुकबाण्ड की सुपर कार गई थी।

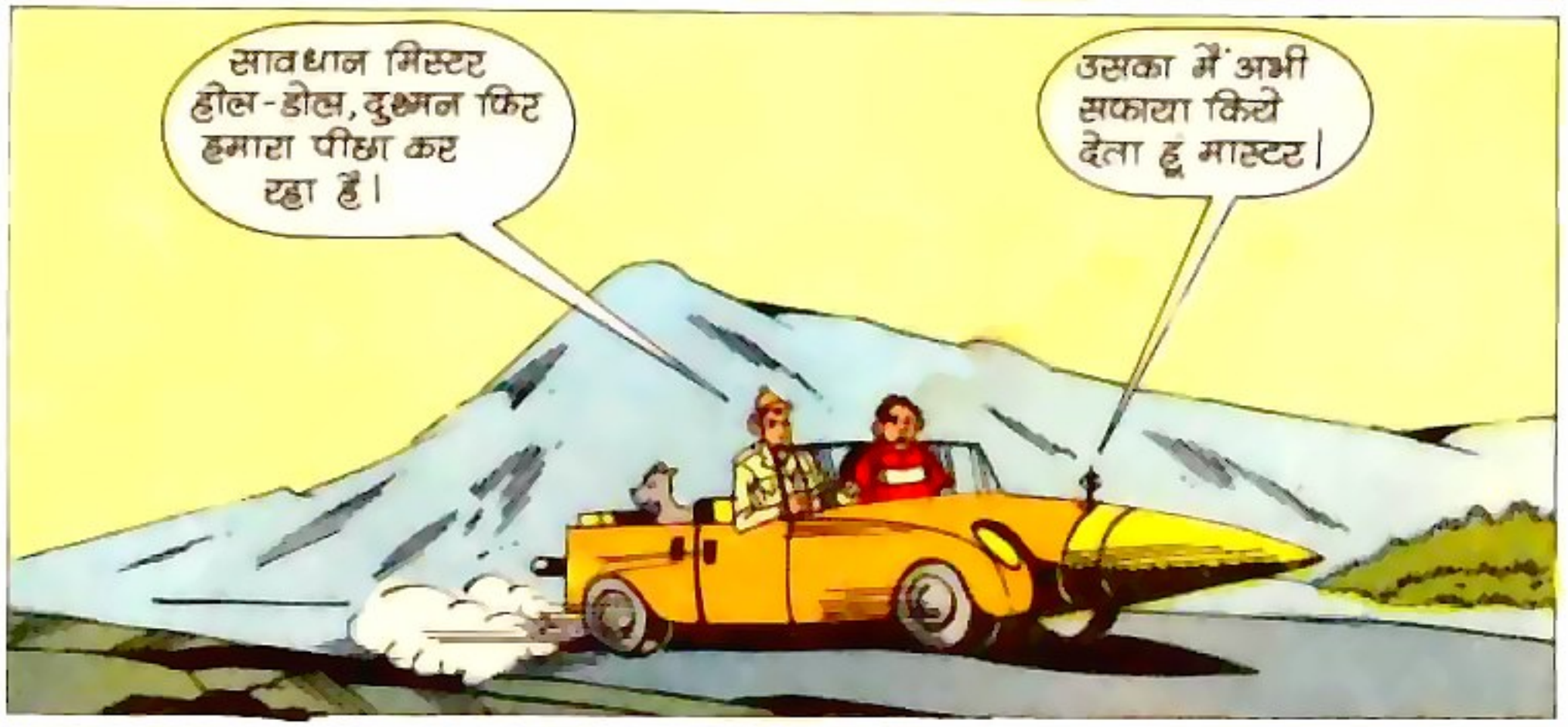
अरे, दूर-दूर तक उस कार का पता नहीं। इतनी जल्दी वह कहां चली गई?

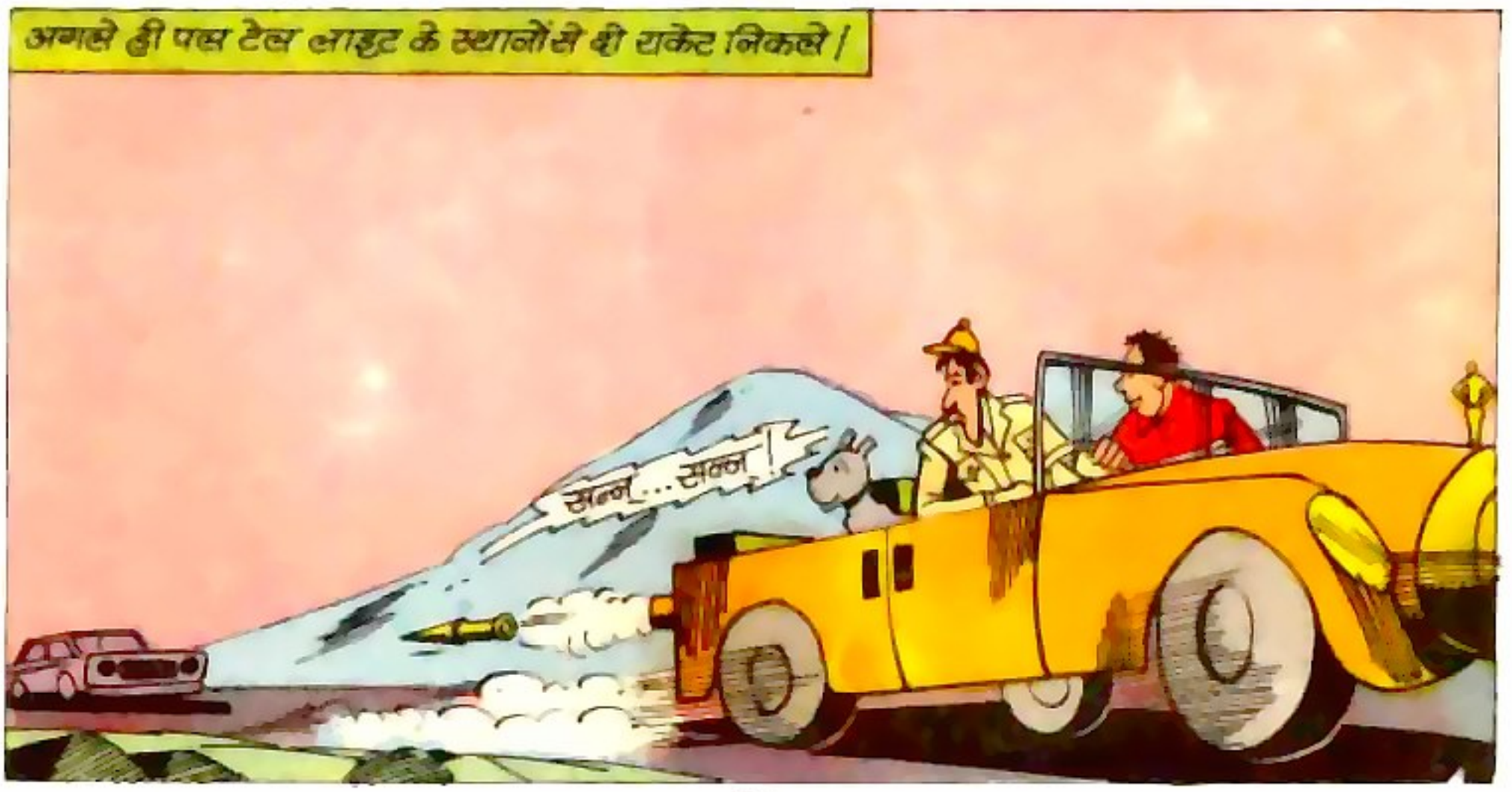
उसने गति बढ़ाई तो कुछ देर बाद उसे दूर सुपर कार जाती दिखाई दी।

गजब है! कितनी तेज रफ्तार से दौड़ रही है। नि सन्देह वह सुपर कार है, वरना अब तक तो मेरी सुपर पावर कार उससे आगे निकल चुकी होती।

EDITED BY VAASU O11#15







EDITED BY VAASU 011#15







EDITED BY VAASU O11#15

तभी -

धड़... धड़... धड़...

ली, आ गये हवाई दुश्मन!

हाय! अब क्या होगा? चार-चार हैलीकॉप्टरों के आक्रमण से बचना मुश्किल है!

मिस्टर होल-डोल, हवाई खतरा!

मैं खतरा भांप चुका हूं मास्टर! अब आप देखिये, मैं उनका क्या हश्र करता हूं!

तभी चारों हैलीकॉप्टरों से एकसाथ सुपर कार पर हमला किया गया।

धड़ाम!

धड़ाम!

EDITED BY VAASU 011#15

धड़ाम!

हाय! सारी मिट्टी मेरी आंखों में घुस गई। मुझे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।

अच्छा है, जो दिखाई नहीं दे रहा, वरना असलियत देखकर तेरा हार्ट-फेल हो जाता।

धड़ाम!

मुझे आश्चर्य है भइया कि हमारी सुपर कार इन भयानक विस्फोटों के मध्य सुरक्षित कैसे है?

यही तो मेरी सुपर कार का चमत्कार है। यह गोलों को अपने पास भी नहीं फटकने देती।

तभी-

मास्टर, आप लोग अपने आपको सेफ्टी बैल्ट से कस लें। मैं सीधा होकर आक्रमण करने जा रहा हूं।

ओह गोटू! जल्दी कट। मनमौजी को भी सेफ्टी बैल्ट से कस दे।

EDITED BY VAASU O11#15

कुकबाण्ड और मोद ने झटपट मनमौजी के साथ-साथ स्वयं को भी सेफ्टी बैल्टों से कस लिया।

अगले ही पल—

घर्र-घर्र-घर्र!

देखते ही देखते सुपर कार पिछले हिस्से के बल खड़ी हो गयी।

अरे, वह देखो।

वी मारा! लगता है, कार क्षतिग्रस्त हो गई है।

धड़ाम!

तभी सुपर कार का बोनट खुला और उसमें से लगातार एक के बाद एक रॉकेट निकले।

सन्न्--सन्न!

EDITED BY VAASU O11#15

और इससे पहले कि हैलीकॉप्टर सवार कुछ समझ पाते–

धड़ाम!

भड़ाम!

चारों हैलीकॉप्टरों के ध्वस्त होते ही सुपर कार फिर सड़क पर सीधी हो गई।

हुर्रे!

वो मारा! एक बार फिर दुश्मनों का जनाजा निकल गया।

सुपरकार एक बार फिर अपनी मंजिल की ओर दौड़ पड़ी।

EDITED BY VAASU O11#15

यह सबकुछ कमाण्डर बेफोर्ड अपने आधुनिक स्टेशन पर बैठा अपनी आंखो से टी.वी. स्क्रीन पर देख रहा था।

कम्बख्त, हमारे हर आक्रमण विफल करता हुआ आगे बढा चला आ रहा है। पता नहीं अब तक मेरे कितने आदमियो को मौत के घाट उतार चुका है...

...और यह सारी सफलता वह अपनी सुपर कार की बदौलत हासिल कर रहा है।

...काश! एक बार उसकी सुपर कार मेरे हाथ लग जाये। मैं उन दोनों छोकरो के साथ-साथ उसका भी भुर्ता बनाकर रख दूंगा...

...खैर, यह सब बाद की बाते है। पहले तो मुझे उन्हें खत्म करने या कैद करने का दूसरा उपाय करना चाहिए।

अगले पल—

मेजर डॉन!

यस कमाण्डर!

EDITED BY VAASU 011#15

मेजर, उनका मार्ग रोकने के लिये तुमने दूसरा क्या उपाय किया है?

सर, कुछ मील आगे एक सुरंग पड़ेगी। बस, जैसे ही वे उस सुरंग में पहुचेंगे, उनका क्रिया-कर्म हो जायेगा।

और यदि वे किसी चमत्कार से सुरंग से भी बच निकले, तो ?

तो सुरंग के दूसरी ओर हमारे आदमी मौजूद हैं। वे उनका राम नाम सत् कर देंगे।

गुड ! तब तो वह दिलचस्प नजारा देखने लायक होगा।

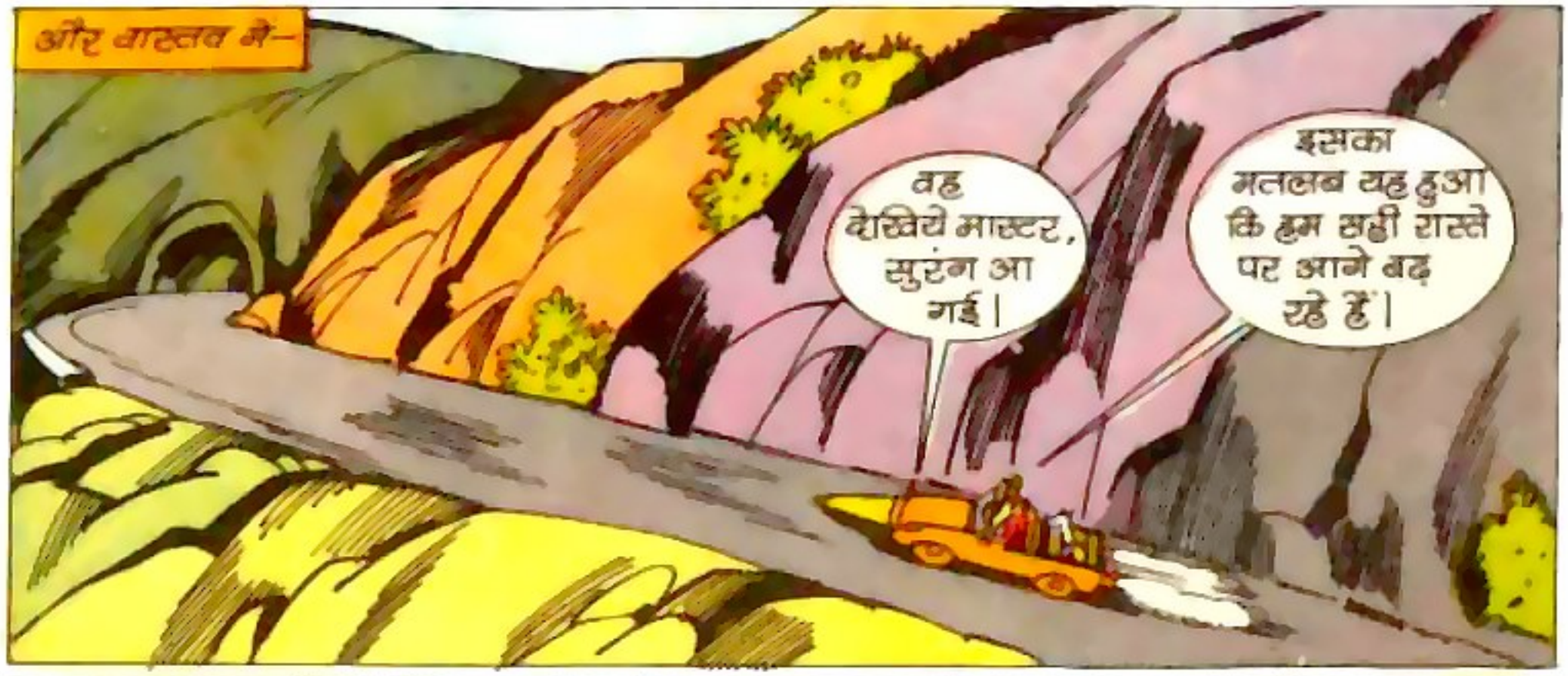
उधर —

मिस्टर होक-डोल, क्या हम सही रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं ?

बिल्कुल मास्टर। कुछ ही देर बाद हमारे मार्ग में एक सुरंग आने वाली है।

ओह।

EDITED BY VAASU O11#15









EDITED BY VAASU O11#15

विस्फोट इतने अप्रत्याशित रूप से हुए थे कि सुपर कार उलट गई।

हाय! मैं मर गया।

मिस्टर होल-डोल, जल्दी से कार को सीधी करो, वरना हमारा दम घुट जायेगा।

धड़ाम!

थोड़ा-सा धैर्य रखो मास्टर।

अगले ही पल उल्टी हुई कार हवा में उठी और उसके पहिये सुरंग की छत से जा सटे।

मिस्टर होल-डोल, यह क्या हरकत है? तुमने कार को छत से क्यों चिपका दिया?

अब हम छत के सहारे ही सुरंग को पार करेंगे मास्टर, क्योंकि नीचे का मार्ग बारूद से अवरुद्ध किया जा चुका है।

EDITED BY VAASU O11#15

और सुपर कार उल्टी अवस्था में ही धक के सहारे तेजी से आगे दौड़ पड़ी।

मिस्टर होल-डोल, यदि दुश्मनों ने सुरंग में हमारे लिये मौत का जाल बिछाया हुआ है तो सुरंग के बाहर भी हमारी खैरियत पूछने के लिये दुश्मन मौजूद होंगे।

आप ठीक फरमा रहे हैं मास्टर, लेकिन आप निश्चिन्त रहिये। मैंने उनसे भी निपटने का उपाय सोच लिया है।

अगले ही पल होल-डोल ने अपनी कार्यवाही शुरू कर दी।

परिणाम स्वरूप सुरंग के बाहर—

अरे वह देखो, कोई गाड़ी बाहर आ रही है।

ओह! लगता है, वह जासूस का बच्चा फिर बच निकला। तैयार हो जाओ।

फायर!

धांय-धांय!

EDITED BY VAASU O11#15

EDITED BY VAASU O11#15

इससे पहले कि वह किसी निश्चित फैसले पर पहुंच पाते—

पों-पों-पों!

फ्रेण्ड्स, वे पहिये तो किसी सैनिक की तरह हमारी ओर बढ़े चले आ रहे हैं।

और वह भोंपू जैसे युद्ध आरम्भ करने का बिगुल बजा रहा है।

फायर! नष्ट कर दो इन पहियों और भोंपू को! हरिअप!

तुरन्त ही—

धांय-धांय!

पों-पों-पों!

तभी चारों पहिये हवा में उड़ते हुए उन आक्रमणकारियों की ओर बढ़े।

अरे बाप रे! वे तो हम पर आक्रमण करने आ रहे हैं।

भागो!

EDITED BY VAASU O11#15

परन्तु इससे पहले कि वे जान बचाकर वहां से भाग पाते—

पों-पों-पों!

आह!

आई...ई...ई!

खटाक!

पों-पों!

उफ!

हाय!

अरे बाप रे! बचाओऽऽऽ!

आई...ई...ई...!

पलक झपकते ही पहियों ने सभी बदमाशों को दूसरे लोक में पहुंचा दिया।

EDITED BY VAASU O11#15

फिर चारों पहिये जिस तरह सुरंग से आये थे, उसी तरह शान से सुरंग की ओर वापस लौट पड़े।

पों-पों-पों!

पहियों व भोपू के सुरंग में प्रविष्ट होने के...

...कुछ देर बाद सुपर कार सही-सलामत अवस्था में सुरंग से बाहर निकली और तीव्र रफ्तार से आगे दौड़ पड़ी।

फिर लगभग एक घण्टे के सफर के पश्चात्-

मास्टर, उस पुल को पार करने के पश्चात् हम अपनी हवाई यात्रा आरम्भ करेंगे।

गुड! यानी उसके बाद कांपती धरती तक पहुंचने के लिए हमें पांच घण्टे का सफर और करना पड़ेगा।

यस मास्टर!

लेकिन जैसे ही सुपर कार पुल के बीचोबीच पहुंची-

धड़ाम!

हाय! बाप्प भइया, बचाओ!

अबे तुझे तो तब बचाऊंगा न, जब मैं खुद बचूंगा।

EDITED BY VAASU O11#15

मिस्टर होल-डोल, कार को कन्ट्रोल करो, वरना कार के साथ-साथ जल में हमारी भी समाधि बन जायेगी!

भौं-भौं-भौं!

परन्तु मिस्टर होल-डोल ने इस बार कोई ध्यान नहीं दिया और-

छपाक्!

हाय! हो गया हमारा राम-नाम सत्!

- क्या सुपर कार के साथ-साथ कुकबाज, मोद और मलमौजी नष्ट होने से बच सके?
- कनाखेड़ा केसेई कौन था और कापती धरती पर क्या षड्यंत्र रच रहा था?
- क्या कांपती धरती के लोग गोरे लोगों के जुल्मों और अत्याचारों से बच सके?
- इन सब प्रश्नों के उत्तर जानने के लिये मनोज चित्रकथा के आगामी अंक में पढ़ें:-

"कुकबाज और मौत का बादशाह"

मुद्रक: अशोका ट वर्क्स

EDITED BY VAASU 011#15